RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 58 | जौनपुर शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली–एनसीआर में ग्रीन पटाखों के निर्माण और बिक्री की मिलेगी इजाजत ?

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली– एनसीआर में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति मांगने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस मुद्दे पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित विभिन्न पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के राज्यों का भी प्रतिनिधित्व कर रहे मेहता ने शीर्ष अदालत से दीपावली, गुरु पर्व और क्रिसमस जैसे अवसरों पर दिल्ली–एनसीआर में हरित पटाखे फोड़ने की अनुमति देने का आग्रह किया। केंद्र सरकार ने अदालत से अतिरिक्त समय मांगाते हुए कहा था कि वह सभी हितधारकों से परामर्श के बाद एक रिपोर्ट पेश करेगी। 26 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने नीरी (राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान) और पेसो (पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन) प्रमाणित हरित पटाखों के निर्माण की अनुमति दे दी थी। हालाँकि, कोर्ट ने यह भी कहा था कि उसकी अनुमति के बिना ये पटाखे एनसीआर में नहीं बेचे जा सकते। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पटाखा निर्माताओं के वकील बलबीर सिंह ने अनुरोध किया है कि सुनवाई दिवाली से पहले की जाए।

बांध के 'बैकवाटर' के पास के परिसरों में शराब पर प्रतिबंध हटाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने अवैध शराब बिक्री पर अंकुश लगाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पांच साल पुरानी अपनी नीति में संशोधन करके बांध के 'बैकवाटर' के पास परिसरों में शराब परोसने और उसके सेवन की अनुमति दे दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि जल संसाधन विभाग ने इस संबंध में एक शासकीय आदेश (जीआर) जारी किया है। 'बैकवाटर' ऐसा शांत, ठहरा हुआ या धीमी गति से बहने वाला जल निकाय होता है जो किसी जलाशय के किनारे पर बनता है और जहां धारा या ज्वार के कारण पानी रुक जाता है या पीछे की ओर बहता है। महाराष्ट्र में 3,255 सिंचाई परियोजनाएं हैं, जिनमें 138 बड़ी, 255 मध्यम और 2,862 छोटी परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें से कई परियोजनाएं पहाड़ी और दर्शनीय क्षेत्रों में स्थित हैं जिनके पास कई विश्राम गृह, बंगले और कर्मचारी आवास स्थित हैं। अधिकारी ने कहा कि श्रम बल और रखरखाव की कमी के कारण इनमें से अधिकतर संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं हो पाता।

पीएम मोदी करेंगे धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर 2025 को पूसा, दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री धन– धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत करेंगे। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। शिवराज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी करेंगे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में जाने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्राकृतिक खेती, दलहन मिशन, ध ान–धान्य योजना के अंतर्गत आने वाले विभिन्न किसानों से अलग–अलग संवाद पूसा के खुले क्षेत्र में खेतों के बीच करेंगे। इस कार्यक्रम से 731 कृषि विज्ञान केंद्र, आईसीएआर के 113 संस्थान, मंडियां, किसान समृद्धि केंद्र, पंचायतें भी जुड़ेगी, जहां पर कार्यक्रम होगा, साथ ही ब्लॉक और जिलों में भी कार्यक्रम होंगे, इनके अलावा हर राज्य का एक प्रमुख कार्यक्रम होगा, इन सबसे लगभग 1 करोड़ किसान सीधे कहीं न कहीं से जुड़कर प्रध ानमंत्री से प्रेरणा प्राप्त करेंगे और लगभग सवा करोड़ किसान भाई–बहन ऑनलाइन भी जुड़ेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि ये दो नई प्रमुख योजनाएं आत्मनिर्भरता और उत्पादकता बढ़ाने की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है, जिनका प्रधानमंत्री शुभारंभ करने वाले हैं । केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कृषि और किसान कल्याण के प्रमुख लक्ष्योंय देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आय बढ़ाना, पोषणयुक्त अनाज उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धता से काम किया जा रहा है।

केजरीवाल और भगवंत मान ने 3,100 स्टेडियमों की योजना का किया शुभारंभ

बठिंडा, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने संयुक्त रूप से 1,194 करोड़ रुपये की लागत से 3,100 से अधिक अत्याधुनिक स्टेडियमों के निर्माण की योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्राज्य के युवाओं की असीम ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई है। शरीर और मन की तंदुरुस्ती के लिए पूरे पंजाब में 3,100 से अधिक नए खेल के मैदानों की स्थापना का कार्य शुरू किया जा रहा है। खेल के मैदान युद्ध नशे विरुद्ध और रंगला पंजाब अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे।ष दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, स्टेडियम युवाओं को नशे से दूर रखने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने के उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उभरते खिलाड़ियों के लिए ये खेल के मैदान मार्गदर्शक का काम करेंगे। खेल के मैदानों पर 1,184 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। खेल के मैदान आधे एकड़ से लेकर चार एकड़ तक के क्षेत्र में बनाए जाएंगे। परियोजना का शुभारंभ किया आप संयोजक ने कहा कि पहले चरण में ज्यादा आबादी वाले गांवों का चयन किया गया है। प्रत्येक मैदान को अलग–अलग खेलों की विशिष्ट जरूरतों के अनुसार विकसित किया जाएगा और बच्चों व खिलाड़ियों के लिए वॉलीबॉल, फुटबॉल, क्रिकेट और अन्य लोकप्रिय पारंपरिक खेलों की सुविध ाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। बुजुर्गों के लिए विभिन्न शारीरिक और मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा ताकि खेल सभी के जीवन का अभिन्न अंग बन सकें। खेल के मैदान न केवल खेलों का आयोजन करेंगे बल्कि गांवों में सामुदायिक एकता के प्रतीक भी बनेंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस अवसर पर कहा, यह बेहद गर्व और संतुष्टि की बात है कि चार राष्ट्रीय टीमों की कप्तानी पंजाबियों के हाथों में है, जिनमें हरमनप्रीत कौर, शुभमन गिल और हरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

दिल्ली में अमित शाह ने 1816 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को दिल्ली में 1,816 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य यमुना नदी की सफाई, पेयजल आपूर्ति और सीवर व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना है। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा कि "आज सच में बहुत सुंदर दिन है जब मां यमुना की स्वच्छता के लिए इतने बड़े पैमाने पर योजनाओं का लोकार्पण हो रहा है। रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और सुरक्षित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह अटूट निर्णय शक्ति के साथ देश को संगठित और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि "यमुना की सफाई दिल्लीवासियों के दिल की पीड़ा रही है। 15 साल और 11 साल की सरकारें आईं, लेकिन केवल वादे हुए, काम नहीं। पहली बार ऐसी सरकार बनी है जिसने यमुना की सफाई पर गंभीरता से काम शुरू किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गृह मंत्री अमित शाह हर महीने यमुना सफाई को लेकर दिल्ली सरकार के साथ समीक्षा बैठक करते हैं। 99 करोड़ रुपए की लागत से पेयजल परियोजनाएं, और 300 करोड़ रुपए की लागत से सीवर सिस्टम को सुदृढ़ करने की योजनाएं शामिल हैं।

बिहार में चुनाव नहीं लड़ेगी हमारी पार्टी, एनडीए का करेगी समर्थन – रामदास आठवले

पणजी, एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष और सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने गुरुवार को गोवा में पर्पल फेस्टिवल के तहत मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी बिहार चुनाव नहीं लड़ेगी और भाजपा नीत राजग का समर्थन करेगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महाराष्ट्र में होने वाले स्थानिक स्वराज्य संस्था के इलेक्शन में मेरी पार्टी एनडीए को सपोर्ट करेगी और हम उद्धव ठाकरे को सत्ता से नीचे खींच देंगे। 2024 के लोकसभा चुनाव में राज ठाकरे एनडीए के साथ थे, इसलिए हमारा बड़ा नुकसान हुआ। लेकिन विधानसभा चुनाव में उन्होंने हमारा साथ छोड़ दिया, जिसकी वजह से हम महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव जीत गए। उन्होंने कहा कि राज

ठाकरे और उद्धव ठाकरे के साथ आने से महाविकास आघाड़ी में हलचल है। राज ठाकरे सिर्फ बड़ी–बड़ी बातें करते हैं, उन्हें चुनाव में जीत नहीं मिलती है। देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने की घटना पर उन्होंने कहा कि देश के चीफ जस्टिस दलित समाज के हैं, इसीलिए सवर्ण वकील ने उनका अपमान किया। इससे पहले उन्होंने कहा था कि देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई पर सुप्रीम कोर्ट में जूता फेंकने का जो प्रयास हुआ, वह अत्यंत निंदनीय, शर्मनाक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरनाक संकेत है। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने हमें जो संविधान दिया है, उसमें हर नागरिक को न्याय की उम्मीद रखने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार हमें कोर्ट जैसी गरिमामय जगह पर हिंसा या अपमानजनक आचरण की इजाजत नहीं देता। न्यायपालिका के सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति पर इस प्रकार का व्यवहार केवल व्यक्ति विशेष पर नहीं, बल्कि संविधान और लोकतंत्र पर हमला है।

भारत में 9 ब्रिटिश यूनिवर्सिटी कैंपस को मंजूरी, शिक्षा क्षेत्र में ऐतिहासिक साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ब्रिटेन के अपने समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान भारत

और ब्रिटेन के बीच विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौते हुए। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत–ब्रिटेन शिक्षा संबंधों को बड़ा बढ़ावा। नई शिक्षा नीति के तहत नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालयों को भारत में अपने परिसर स्थापित करने की मंजूरी मिल गई है। इंग्लैंड की क्वीन्स यूनिवर्सिटी, बेलफास्ट, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी, सरे यूनिवर्सिटी को गुजरात की गिफ्ट सिटी गांधीनगर में अपने कैंपस स्थापित करने की अनुमति मिली है। मुंबई में यॉर्क यूनिवर्सिटी और एबरडीन यूनिवर्सिटी एवं बेंगलुरु में लिवरपूल यूनिवर्सिटी और लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी के कैंपस बनेंगे। साथ ही साउथेम्प्टन यूनिवर्सिटी के कैंपस दिल्ली और गुरुग्राम में स्थापित होंगे। वहीं, भारत और ब्रिटेन के बीच टेक्नोलॉजी और इनोवेशन सेक्टर में चार प्रमुख समझौते हुए हैं, जिनमें भारत–यूके कनेक्टिविटी और इनोवेशन सेंटर की स्थापना, एआई के लिए भारत–यूके के ज्वाइंट सेंटर की स्थापना, यूके–भारत क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी के फेज–टू की शुरुआत और आईआईटी (आईएसएम) धनबाद में एक नया सैटेलाइट कैंपस स्थापित करना शामिल है। इसके साथ ही, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए क्रिटिकल मिनरल्स इंडस्ट्री गिल्ड की स्थापना के लिए भी समझौता हुआ है। ट्रेड और इन्वेस्टमेंट के क्षेत्र में तीन समझौते हुए, जिनमें पुनर्गठित भारत–यूके सीईओ फोरम की उद्घाटन बैठक, भारत–यूके संयुक्त आर्थिक व्यापार समिति (जेईटीसीओ) का पुनर्गठन, जो सीईटीए के कार्यान्वयन में सहायता करेगा और दोनों देशों में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।

बिहार चुनाव में जुबानी जंग तेज

पटना, एजेंसी। बिहार में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया है और राजनीतिक दलों ने अपनी–अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजनेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर हमला बोला है। हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि लालू परिवार के सत्ता के प्रति बौखलाहट देखकर ऐसा लगता है कि तेजस्वी यादव अगली प्रेस कांफ्रेंस में यह घोषणा करते हुए कहेंगे कि यदि बिहार में राजद सरकार बनी तो हर परिवार के एक सदस्य को चांद और मंगल ग्रह पर चार कठ्ठे का एक–एक फार्म हाउस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटा ललटेनवा, "गदहा चाहे कितनी कोशिश कर ले ओकर सिर पर सिंग नहीं निकल सकता।" बूझे... बता दें कि इससे पहले राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को श्हर घर में एक सरकारी नौकरीश देने का वादा किया। तेजस्वी यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनने के 20 दिनों के अंदर एक ऐसा अधिनियम बनाया जाएगा, जिसके तहत बिहार के हर परिवार में कम से कम एक सरकारी नौकरी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा, षबिहार में ऐसा कोई परिवार नहीं होगा, जिसके पास सरकारी नौकरी न हो। यह हमारा संकल्प है और हम इसे पूरा करेंगे। इसके लिए किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है। हमने पिछले 17 महीनों में पांच लाख नौकरियां दी हैं और लगभग 3.5 लाख नौकरियों को प्रक्रियाधीन किया है। उन्होंने आगे कहा कि जब हर घर में सरकारी नौकरी होगी, तब बिहार की जनता पूरी ताकत से उनकी सरकार के साथ काम करेगी और राज्य की विकास यात्रा में तेजी आएगी।

कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है, उन्हें समझाया जाए सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति – उद्धव

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोगों ने 'अपनी आंखों पर पट्टी बांध रखी है'' और उन्हें यह समझाना जरूरी है कि सच्चा हिंदुत्व और देशभक्ति क्या होती है। वह यहां उपनगरीय बांद्रा स्थित अपने घर मातोश्री के बाहर कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के स्वागत में लगाए गए बैनरों पर उनकी तस्वीर को लेकर कटाक्ष किया और कहा कि मंत्री अपने प्रचार के प्रति जुनूनी हैं। शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। ठाकरे ने कहा, क्या आप (शिंदे) उनके (स्टार्मर) करीब भी पहुंच पाए? वे आत्म–प्रचार में मुग्ध हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा, सच्ची देशभक्ति और हिंदुत्व को समझाना जरूरी है। कुछ लोगों ने आंखों पर पट्टी बांध रखी है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित किसान हताश हैं और सरकार ने उनके लिए छल का पैकेज घोषित किया है। ठाकरे हाल में भारी बारिश और बाढ़ के कारण फसलें गंवाने वाले किसानों के लिए घोषित वित्तीय सहायता का जिक्र कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे शनिवार को छत्रपति संभाजीनगर में किसानों के लिए "अपर्याप्त" वित्तीय पैकेज के खिलाफ प्रदर्शन में भाग लेंगे।

प्रियंका ने हरियाणा आईपीएस आत्महत्या मामले में भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने हरियाणा आईपीएस आत्महत्या मामले में भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस सांसद ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जातीय प्रताड़ना से परेशान होकर हरियाणा के आईपीएस अधि ाकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या से पूरा देश स्तब्ध है। देश भर में दलितों के खिलाफ जिस तरह अन्याय, अत्याचार और हिंसा का सिलसिला चल रहा है, वह भयावह है। पहले रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या, फिर मुख्य न्यायाध ीश का अपमान और अब एक वरिष्ठ अधिकारी की आत्महत्या यह साबित करती है कि भाजपा राज दलितों के लिए अभिशाप बन गया है। चाहे कोई आम नागरिक हो या ऊंचे पद पर हो, अगर वह दलित समाज से है तो अन्याय और अमानवीयता उसका पीछा नहीं छोड़ते। जब ऊंचे ओहदे पर बैठे दलितों का यह हाल है तो सोचिए आम दलित समाज किन हालात में जी रहा होगा। इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी हरियाणा आईपीएस सुसाइड मामले की निंदा की थी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा का मनुवादी तंत्र इस देश के एससी, एसटी, ओबीसी और कमजोर वर्गों के लिए एक अभिशाप बन चुका है। हरियाणा के वरिष्ठ दलित आईपीएस अधिकारी, एडीजीपी, वाई. पूरन कुमार की मजबूरन आत्महत्या

की खबर न केवल स्तब्ध करने वाली है, बल्कि सामाजिक अन्याय, अमानवीयता और संवेदनहीनता का भयावह प्रमाण है। परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। पिछले 11 वर्षों में इस देश में भाजपा ने मनुवादी मानसिकता इतनी गहरी कर दी है कि एडीजीपी रैंक के दलित अधिकारी को भी न्याय और सुनवाई नहीं मिलती है। जब सुप्रीम कोर्ट में सरेआम माननीय मुख्य न्यायाधीश पर हमला हो सकता है और उसे भाजपा का इको सिस्टम जातिवाद और धर्म का हवाला देकर डिफेंड कर सकता है, तो हमें ये समझ लेना चाहिए।

संपादकीय

दवाओं की गुणवत्ता से समझौता

तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर के बाहरी इलाके में एक छोटे दवा कारखाने के दरवाजे अब बंद हैं। श्रीसन फार्मास्यूटिकल्स नाम की इस कंपनी को लेकर तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने पाया कि उसने ड्रग्स और कास्मेटिक्स अधिनियम के तहत 364 उल्लंघन किए। यहां बना कफ सीरप कोल्ड्रिफ मध्य प्रदेश और राजस्थान में 25 बच्चों की जिंदगी लील गया। इस सीरप में डाइथिलीन ग्लाइकोल जैसा विषैला तत्व मिला। यह किडनी और लिवर को क्षति पहुंचाता है। निर्माण के अलावा कंपनी के स्तर पर और भी लापरवाही बरती गई। जैसे पैकिंग पर अनिवार्य चेतावनी नहीं दी गई कि चार साल से कम उम्र के बच्चों को इसका सेवन न करने दिया जाए। यह कोई पहली और अलग घटना नहीं है। गांबिया और उज्बेकिस्तान से लेकर मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा तक एक ही कहानी सामने आती है। इस कहानी में छोटे स्तर पर उत्पादन करने वाले नियमों को धता बताते हैं, निगरानी कमजोर और मामला बिगड़ने पर प्रतिक्रिया धीमी होती है। यह मामला दर्शाता है कि भारत की विकेंद्रीकृत और अक्षम दवा नियामक प्रणाली खतरनाक रूप से पुरानी पड़ चुकी है। ऐसे मामले 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में पहचान बनाने वाले भारत की प्रतिष्ठा भी धूमिल करते हैं। करीब 200 से अधिक देशों को किफायती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत वैश्विक जेनेरिक दवा बाजार का अग्रणी खिलाड़ी है। पीएम जन औषधि योजना की सफलता में जेनेरिक दवाओं की अहम भूमिका है। इसके तहत 5,600 करोड़ रुपये की दवाएं बेची गई हैं। पिछले एक दशक के दौरान इस योजना से लोगों को करीब 30,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। जेनेरिक दवाएं बड़ी आवश्यकता हैं। हालांकि गुणवत्ता सुनिश्चित किए बिना ऐसी किफायती दवाएं और घातक हो सकती हैं, क्योंकि जिस तबके को राहत देने के लिए ये दवाएं बनाई जाती हैं, उनके लिए ही आफत बन जाती हैं। कफ सीरप से बच्चों की मौतें इस कड़वी सच्चाई को ही उजागर करती हैं कि भारत में सस्ती दवाएं तो उपलब्ध हुई हैं, पर उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। अक्सर यह सवाल उठता है कि जब जेनेरिक दवाओं में ब्रांडेड या पेटेंट दवाओं जैसे तत्व ही होते हैं तो कई बार वे अनुपयोगी क्यों साबित हो जाती हैं? इसका जवाब दवा निर्माण की प्रक्रिया से जुड़ा है। दवा में मूलभूत तत्व या एपीआइ उसका केवल एक हिस्सा होता है। बाकी फार्मूलेशन में फिलर्स, बाइंडर्स और कोटिंग जैसे पहलू भी होते हैं। ये निर्धारित करते हैं कि दवा कितनी जल्दी घुलती है और शरीर उनकी कितनी मात्रा अवशोषित करता है। इन पहलुओं में थोड़ा सा भी परिवर्तन दवा की प्रकृति एवं प्रभाव पर असर डाल सकता है। चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के डाक्टरों ने 2024 के एक अध्ययन में यह स्पष्ट किया। एंटीफंगल दवा इट्राकोनाजोल के 22 जेनेरिक संस्करणों की तुलना में उन्होंने पाया कि केवल 29 प्रतिशत जेनेरिक दवाओं ने दो सप्ताह में अपेक्षित स्तर हासिल किया, जबकि पेटेंट दवाओं में यह स्तर 73 प्रतिशत तक था। जेनेरिक दवाओं में छोटे–असमान आकार के पेलेट मिले, जो अवशोषण और प्रभावशीलता को प्रभावित करते थे। ये ऐसा अंतर नहीं, जो जानबूझकर छोड़ा जाए, बल्कि यह इसी को रेखांकित करता है कि असमान निर्माण मानक और कमजोर निगरानी परिणामों को कैसे प्रभावित करती है। इस मोर्चे पर समस्या गहरी और संस्थागत है। दवा निर्माण के लिए भारत का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ ही व्यापक रूप से नियम निर्धारित करता है, पर कारखानों को लाइसेंस देना, इकाइयों का निरीक्षण करना, नमूनों के परीक्षण जैसी अधिकांश शक्तियां राज्य औषधि नियामक प्राधिकरणों यानी एसडीआरए के पास हैं। निगरानी को लेकर विभिन्न राज्यों की क्षमताएं भी भिन्न हैं।

रक्षा और घुसपैठ रोकने के लिए आवश्यक

कृपा

सर क्रीक क्षेत्र भारत–पाकिस्तान संबंधों में एक बार फिर तनाव का केंद्र बन गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर क्रीक में सैन्य जमावड़े को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी है। यह एक 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो गुजरात में कच्छ के रण को पाकिस्तान के सिंध प्रांत से अलग करता है। सर क्रीक विवाद की जड़ें 1908 से जुड़ी हैं, जब कच्छ और सिंध के शासकों के बीच क्षेत्रीय विभाजन को लेकर असहमति उत्पन्न हुई। बांबे प्रेसीडेंसी द्वारा 1914 में एक प्रस्ताव के जरिये मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने एक अस्पष्टता पैदा कर दी। प्रस्ताव के एक खंड में सुझाव दिया गया कि सीमा क्रीक के बाहरी किनारे की ओर स्थित है, जबकि दूसरे में अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लेख किया गया, जिसके अलग निहितार्थ थे। यह मुद्दा 1965 के सशस्त्र संघर्ष के बाद फिर से उभरा, जब पाकिस्तान ने कच्छ के रण के आधे हिस्से पर दावा किया। 1968 में एक अंतरराष्ट्रीय न्यायाधिकरण ने रण के 90 प्रतिशत हिस्से पर भारत के दावे को बरकरार रखा, लेकिन सर क्रीक सीमा अनसुलझी रही। भारत का कहना है कि सीमा क्रीक के बीच से होकर गुजरती है, जबकि पाकिस्तान जोर देता है कि यह क्रीक के पूर्वी तट पर स्थित है। यह अंतर निर्धारित करता है कि समुद्री सीमा अरब सागर में कैसे फैली हुई है, जो संभावित हाइड्रोकार्बन भंडार, मछली पकड़ने के क्षेत्रों और दोनों देशों के विशेष आर्थिक क्षेत्रों में अरबों डालर के सामुद्रिक संसाधनों तक पहुंच को प्रभावित करता है। साल 1989 से भारत और पाकिस्तान इस विवाद को सुलझाने के लिए ठोस प्रगति के बिना छह दौर की चर्चाएं कर चुके हैं। पाकिस्तान जोर देता है कि समुद्री सीमा के लिए आधार स्थापित करने के लिए पहले क्रीक में सीमा का सीमांकन किया जाना चाहिए, जो भूमि और समुद्री सीमा मुद्दों को जोड़ता है। वहीं भारत ने परिसीमन, सीमांकन का प्रस्ताव रखा, लेकिन तकनीकी कठिनाइयों और राजनीतिक अविश्वास ने कार्यान्वयन को रोक दिया है। यह भारत के अपने अन्य पड़ोसियों के साथ समुद्री सीमाओं के सफल समाधान के बिल्कुल विपरीत है। श्रीलंका के साथ 1974 और 1976 में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें मालदीव के साथ त्रिबिंदु से लेकर पाक स्ट्रेट, पाक खाड़ी और मन्नार की खाड़ी में 200 समुद्री मील की सीमा तक फैली 288 किलोमीटर की समुद्री सीमा स्थापित की गई। बांग्लादेश के साथ दशकों की असफल बातचीत के बावजूद विवाद अंततः संयुक्त राष्ट्र सामुद्रिक कानूनों के तहत अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता के माध्यम से हल किया गया। 2014 में स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने बंगाल की खाड़ी में विवादित 25,602 वर्ग किलोमीटर में से 19,467 वर्ग किलोमीटर बांग्लादेश को प्रदान किया। भारत और बांग्लादेश ने इस बाध्यकारी निर्णय को स्वीकार किया और इसे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अवसर के रूप में उपयोग किया। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तब समुद्री सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान बातचीत या मध्यस्थता के माध्यम से संभव है। सर क्रीक पाकिस्तान को रणनीतिक रूप से प्रभावित करता है। इसका सबसे बड़ा शहर कराची इस विवादित सीमा से केवल 60 किलोमीटर दूर स्थित है, जहां इसका प्राथमिक नौसैनिक अड्डा है। यहां भारतीय नौसैनिक उपस्थिति पाकिस्तान की व्यावसायिक जीवन रेखा और सैन्य बुनियादी ढांचे को खतरे में डालती है। भारत के लिए सर क्रीक को सुरक्षित करना गुजरात की तटरेखा की रक्षा के लिए आवश्यक है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कांडला बंदरगाह और क्षेत्र को घुसपैठ गलियारा बनने से रोकने के लिए भी यह जरूरी है।सर क्रीक पर उठे विवाद को नए सिरे से 2019 के बाद के सैन्य गतिरोध और आपरेशन सिंदूर के व्यापक संदर्भ में समझा जाना चाहिए।

मायावती ने गंवाया मौका

आदित्य

उत्तरप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की मुखिया बहन मायावती ने गुरुवार को खुद अपनी साख पर बड़ा बट्टा लगा लिया। मायावती कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर तो लगातार निशाना लगाती ही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सपा और कांग्रेस की आलोचना के साथ भाजपा शासन की तारीफ की और योगी सरकार का आभार भी जता दिया। गौरतलब है कि मायावती के बारे में अक्सर ये कहा जाता है कि वे भाजपा की बी टीम के तौर पर काम करती हैं। अर्थात सीधे–सीधे न सही लेकिन चुनावों में वे इस तरह पांसे बिछाती हैं, जिससे भाजपा को फायदा हो, और सपा, कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों को नुकसान हो। जबकि जिस दलित पृष्ठभूमि से मायावती आती हैं और दलित राजनीति के बूते ही वे सत्ता तक भी पहुंची, उस दलित समुदाय की घोर उपेक्षा भाजपा के शासनकाल में हो रही है, इसके गवाह दलित उत्पीड़न के आंकड़े भी दे रहे हैं। जब भी दलित को प्रताड़ित करने की कोई बड़ी घटना होती है, तो बहनजी से स्वाभाविक तौर पर उम्मीद की जाती है कि वे कोई बयान देंगी। लेकिन मोदी शासनकाल में मायावती ने मानो सरकार के खिलाफ बोलना छोड़ ही दिया है। उनके इस रवैये के कारण बसपा की प्रासंगिकता भी कम होती गई, चुनावी नतीजे इसका प्रमाण हैं। लेकिन अब भाजपा की तारीफ कर बहनजी ने जो थोड़ी बहुत उम्मीद दलितों को उनसे थी, वो भी खत्म कर दी है। पिछले 13 सालों से मायावती सत्ता से बाहर हैं, लेकिन उत्तरप्रदेश में दलितों का यकीन उन पर अब भी बना हुआ है, ऐसा तब लगा जब गुरुवार को लखनऊ में हुई महारैली में बड़ी भीड़ जुटी। कांशीराम जी की पुण्यतिथि पर मायावती ने ये महारैली की थी, जिसका असली मकसद 2027 के चुनावों की तैयारी थी और इसके अलावा अपने भतीजे आकाश आनंद को फिर से सार्वजनिक तौर पर उत्तराधिकारी बताना था। हालांकि बड़ी संख्या में दलित जुटे, तो इसकी वजह यही थी कि वे फिर से उस आत्मसम्मान को वापस पाने की उम्मीद कर रहे हैं, जिसे भाजपा सरकार में लगातार कुचला जा रहा है। चुनावों के वक्त भाजपा के नेता, मंत्री दलितों के घर खाना खाते हुए तस्वीरें तो बहुत खिंचाते हैं, लेकिन जिन चमकते बर्तनों में वे भोजन करते हैं और जितने तरह के व्यंजन परोसे हुए होते हैं, उसे देखकर समझ आता है कि ये सारा तामझाम कुछ घंटों के वीडियो और तस्वीरें बनाने का है। जिसमें सब कुछ नाटकीय है,

असलियत नहीं है। अगर दलितों को सवर्ण तबका अपने बराबर की सामाजिक स्वीकार्यता देता तो फिर इस तरह किसी को किसी के घर भोजन करने न जाना पड़ता। भाजपा सरकार में दलितों का अपमान, बाबा अंबेडकर से नफरत और संविधान को खत्म करने की जो कोशिशें लगातार चल रही हैं, उन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों पुरजोर तरीके से आवाज उठा रहे हैं। लेकिन मायावती ने गुरुवार को योगी सरकार की तारीफ की तो वहीं सपा पर जमकर हमला बोला। जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि क्योंकि श्उनकीश अंदरूनी सांठगांठ है जारी, इसीलिए वो हैं जुल्म करने वालों के आभारी। बता दें कि मायावती ने रैली की शुरुआत में कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने इल्जाम लगाया कि बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया। हालांकि मायावती को इस पर विचार करना चाहिए कि दलित स्मारक से ज्यादा उन मूल्यों के लिए कांशीरामजी का सम्मान करते हैं, जिनकी वजह से उन्होंने दलित समाज में चेतना भरी और उन्हें हक के लिए खड़े होना सिखाया। अगर मायावती योगी सरकार का आभार जताने के साथ यह सवाल भी करतीं कि रायबरेली में दलित को क्यों पीट–पीट कर मारा गया, क्यों दलित वर्ग से आने वाले मुख्य न्यायाधीश पर जूता फेंका गया, उप्र में देश भर में सबसे अधिक दलित उत्पीड़न के मामले क्यों हो रहे हैं, तब तो समझ आता कि बहनजी वाकई दलितों की रहनुमा हैं। लेकिन इस समय वे भाजपा की सहयोगी की तरह बर्ताव कर रही हैं। जैसे नीतीश कुमार धर्मनिरपेक्ष होने का दावा कर उन ताकतों से हाथ मिलाते हैं, जिन्होंने बाबरी मस्जिद तोड़कर राम मंदिर बनाया है। उप्र में भी आई लव मुहम्मद के बवाल पर मायावती खुलकर भाजपा की आलोचना नहीं कर सकीं, उन्होंने केवल यही कहा कि जनहित के मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय, कुछ शरारती और स्वार्थी तत्व धर्म, देवी–देवता और खुदा के नाम पर विवाद और हिंसा पैदा करने की कोशिश में लगे रहते हैं। इन मामलों में राजनीति नहीं करनी चाहिए और सभी को भारतीय संविधान और धार्मिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए। इसी तरह कांग्रेस पर हमला बोलते हुए मायावती ने कहा कि कांग्रेस वाले संविधान हाथ में रखकर नाटकबाजी करते हैं जबकि इमरजेंसी के दौरान ही संविधान पर हमला हुआ था। यह बिल्कुल भाजपा की भाषा है। बहरहाल, मायावती ने दावा किया कि 2027 में उप्र में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने पार्टी नेता आकाश आनंद की तारीफ करते हुए कहा कि आकाश बसपा का जनाधार बढ़ाने के लिए मेरे दिशानिर्देशन में लगातार प्रयास कर रहे हैं। जबकि इन्हीं आकाश आनंद को मायावती ने पार्टी में किनारे किया था। कुल मिलाकर मायावती ने अपनी साख को फिर से हासिल करने का एक मौका गंवा दिया। किसी अन्य दल की तारीफ या निंदा उनका अपना नजरिया है, लेकिन उनका मतदाता भी फिर सोचेगा कि अगर घूम फिर कर भाजपा की विचारधारा में ही रहना है तो फिर सीधे भाजपा को ही वोट दें, मायावती को क्यों दें। अगर इसके खिलाफ जाना है तो फिर इंडिया गठबंधन का विकल्प भी मतदाता के पास है।

भारत–तालिबान की नजदीकी से बदलेगा क्षेत्रीय समीकरण

भाषा

कितनी तेजी से दुनिया के इस हिस्से में कूटनीतिक संबंध बदल रहे हैं, इसका आभास मॉस्को में हुई इस बैठक में साफ–साफ दिख रहा है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री खान मुत्ताकधी के नेतृत्व में पहली बार अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह की किसी भी बैठक में भागीदारी की। रूस के अफगानिस्तान में अपने हित है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी का भारत आना अपने आप में बड़ी खबर है, लेकिन उससे भी बड़ा घटनाक्रम है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अफगानिस्तान के बागराम एयरबेस को कब्जे में लेने का भारत द्वारा विरोध करना। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी का भारत आना, अपने आप में बड़ी खलबली पैदा करने वाली खबर है। भारत ने इस मुद्दे पर तालिबान, पाकिस्तान, चीन व रूस के अफगानिस्तान पर मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशन का समर्थन किया, जिसमें बिना बागराम एयरबेस का नाम लिये हुए अमेरिकी मंशा का विरोध किया गया है। इस तरह से अंतराष्ट्रीय स्तर पर भारत का यह दूसरा बड़ा कदम है, जो सीधे–सीधे अमेरिकी हित से टकराता है। इससे पहले चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भी भारत ने इजराइल के खिलाफ जारी बयान में हस्ताक्षर किये थे। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सितंबर में चीन जाना और शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल होने पर भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खासी नाराजगी जताई थी। हालांकि भारत ने अभी तक अफगानिस्तान में चल रहे तालिबान के शासन को औपचारिक मान्यता नहीं दी है लेकिन मानवतावादी व विकास संबंधी कार्यों में भारत अफगानिस्तान को सहयोग कर रहा है। इस लिहाज से भी तालिबान के विदेश मंत्री का पहली बार भारत आना एशिया के देशों में नये किस्म के संवाद व साझेदारी की शुरूआत का संकेत हो सकता है। रूस की राजधानी मॉस्को में हुई मॉस्को फॉर्मेट कंसल्टेशन ऑन अफगानिस्तान की सातवीं बैठक में भारत, अफगानिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, चीन, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान देशों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने शिरकत की। बेलारूस के प्रतिनिधिमंडल ने भी शिरकत की। यहां जो संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया, वह विश्व कूटनीति में अमेरिका को सीधे चुनौती देने वाला नजर आता है।

इसमें कहा गया कि, अफगानिस्तान व पड़ोसी देशों में अन्य देशों द्वारा अपने सैन्य ढांचे (मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर) तैनात करने की कोशिशें स्वीकार नहीं हैं क्योंकि ये क्षेत्रीय शांति व स्थिरता के हित में नहीं हैं। यह वक्तव्य 7 अक्टूबर 2025 को जारी किया गया। मजेदार बात है कि इसमें सीधे–सीधे बागराम पर अमेरिकी कब्जे की चाह का जिक्र नहीं है, लेकिन निशाना बिल्कुल साफ है। इसमें यह भी कहा गया कि अफगानिस्तान को स्वतंत्र, एकीकृत व शांतिपूर्ण देश के तौर पर स्थापित करने के लिए भी काम करेंगे। इसके अलावा एक और बात जो सीधे अमेरिकी वर्चस्व को सीधे चुनौती देने वाली इसमें शामिल है, वह है कि ये तमाम देश अफगानिस्तान की जमीन को पड़ोसी देशों और आसपास के इलाके की सुरक्षा के लिए किसी भी किस्म का खतरा पेश करने के किसी भी प्रयास के लिए उपयोग नहीं होने देंगे। यानी बिना कहे यह कह दिया कि बागराम एयरबेस को अमेरिका के पास वापस जाने के खिलाफ दुनिया के ये देश एकमत है।

इसमें भारत का चीन–रूस–पाकिस्तान के संग खड़ा होना क्षेत्रीय गठबंधन की ओर इशारा करने वाला है। कितनी तेजी से दुनिया के इस हिस्से में कूटनीतिक संबंध बदल रहे हैं, इसका आभास मॉस्को में हुई इस बैठक में साफ–साफ दिख रहा है। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री खान मुत्ताकधी के नेतृत्व में पहली बार अफगानिस्तान के प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह की किसी भी बैठक में भागीदारी की। रूस के अफगानिस्तान में अपने हित है। सोवियत संघ के विघटन से पहले यानी 1991 से पहले अफगानिस्तान में उसकी सीधी प्रभावशाली भूमिका था और पूरे इलाके में उसका दबदबा था। फिर 2001 में अमेरिका ने नाटो के साथ मिलकर अफगानिस्तान पर हमला बोला, उसे तबाह किया। बीस साल तक चले इस संघर्ष के बाद 2021 में अफगानिस्तान में एक भी अमेरिकी सैनिक नहीं रहा। वापस शासन तालिबान को सौंप कर अमेरिकी सत्ता ने हाथ झाड़ दिये। फिर अचानक 18 सितंबर 2025 को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान की तालिबान की सरकार उन्हें बागराम एयरबेस वापस कर दे। पांच साल पहले ट्रंप ने ही तालिबान से समझौता करके अमेरिकी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी करवाई थी। ट्रंप की इस मांग ने दुनिया भर में खासतौर से अफगानिस्तान में बैचेनी पैदा कर दी। जिस अंदाज में ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी सरकार बागराम एयरबेस को वापस लेने की कोशिश कर रही है, हमने उन्हें यूं ही दे दिया और अब हम उसे वापस चाहते हैं। इसके बाद से ही यह साफ हो गया कि अमेरिकी अफगानिस्तान में इस एयरबेस को हासिल करके इस इलाके में दोबारा अपना दबदबा कायम करना चाहते हैं। दरअसल बागराम अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित इस देश का सबसे बड़ा एयरबेस हैं, जहां पर बड़े मिलिट्री प्लेन व हथियार डिलिवरी करने वाले हवाई जहाज उतारे जा सकते हैं। इसमें दो बड़े रनवे हैं, जो 3.6 किलोमीटर व 3 किलोमीटर लंबे हैं। ट्रंप के इस प्रस्ताव को अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने सिरे से नकार दिया था। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था, श्अफगान किसी भी सूरत में अपनी जमीन को किसी को नहीं सौंपेंगे। शायद जिस समय अफगानिस्तान की सरकार ने यह फैसला लिया था, उस समय यह अंदाजा नहीं लगाया गया था कि इस तरह से भारत सहित तमाम देश अफगानिस्तान के पक्ष में उतरेंगे और ट्रंप की इस मनमानी का विरोध करेंगे।

स्वस्थ तन में होता हैं स्वस्थ मन का निवास

डॉ अशोक

भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं करता है, जो मौलिक अधिकार के रूप में सभी नागरिकों और विदेशियों को समान रूप से उपलब्ध है। इस अधिकार के दायरे में स्वास्थ्य, चिकित्सा, आश्रय और स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार शामिल है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 25 जुलाई 2025 को सुकदेब साहा बनाम आंध्र प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2025 लाइव लॉ (एससी) 740 में एक निर्णय में मानसिक स्वास्थ्य को संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग घोषित किया है अर्थात मानसिक स्वास्थ्य देखभाल पाना एक संवैधानिक अधिकार है और राज्य का यह कर्तव्य है कि वह सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करे। भारत के संविधान का अनुच्छेद 21 किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या व्यक्तिगत स्वतंत्रता से वंचित नहीं करता है, जो मौलिक अधिकार के रूप में सभी नागरिकों और विदेशियों को समान रूप से उपलब्ध है। इस अधिकार के दायरे में स्वास्थ्य, चिकित्सा, आश्रय और स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार शामिल है, और यह जीवन को गरिमापूर्ण तरीके से जीने की क्षमता की रक्षा करता है। यद्यपि भारत में 7 अप्रैल 2017 को मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017 पारित किया गया था जो 29 मई 2018 को अस्तित्व में आया। इस अधिनियम ने आत्महत्या के प्रयास को प्रभावी रूप से अपराधमुक्त कर दिया। भारतीय दंड संहिता की धारा 309 के अंतर्गत आत्महत्या एक दंडनीय अपराध था। इस अधिनियम में मानसिक बीमारी दौरान ऐसे व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा, संवर्धन और पूर्ति करने और उससे जुड़े या उसके आकस्मिक मामलों के लिए प्रावधान हैं। इस अधिनियम के अस्तित्व में आने के पश्चात पूर्व में लागू मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम, 1987 को निरस्त कर दिया गया है जो 22 मई 1987 को पारित किया गया था। आज भौतिकतावाद के युग में मानसिक समस्या दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है लेकिन कहीं न कहीं एक सीमा तक ही वह सफल हो पाता है और जहां उसे सफलता नहीं मिलती वहां से अवसाद आरम्भ होता है। अवसाद एक मनोदशा विकार है जिसमें निरंतर उदासी, निराशा, और किसी भी चीज में रुचि की कमी महसूस होती है, जिससे व्यक्ति की सामान्य दैनिक गतिविधियों को करने की क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति हफ्ते या महीने भर तक रह सकती है और शारीरिक व भावनात्मक दोनों तरह की समस्याओं को जन्म दे सकती है। अवसाद के कारण व्यक्ति कुसंग का शिकार हो सकता है। आज के समय में व्यक्ति एकाकी होकर रह गया है। आज किसी के पास समय नहीं है। मोबाइल की लत ने इसे और अधिक भयंकर रूप दे दिया है। नशे की और आकर्षण भी इस अवसाद का ही कारण है। वास्तव में ये सब मानसिक रोग की श्रेणी में आते हैं। भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय को इंगित करता है जिसमें वह कह रही है कि अगर वो चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे तो जितनी जल्दी हो सके इन कोचिंग संस्थानों को बंद करवा दें। ये कोचिंग छात्रों को खोखला कर देते हैं। पढ़ने का इतना दबाव होता है कि बच्चे बोझ तले दब जाते हैं। कृति ने लिखा है कि वो कोटा में कई छात्रों को डिप्रेशन और स्ट्रेस से बाहर निकालकर सुसाईड करने से रोकने में सफल हुई लेकिन खुद को नहीं रोक सकी। अपनी मां के लिए उसने लिखा कि–आपने मेरे बचपन और बच्चा होने का फायदा उठाया और मुझे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर करती रहीं लेकिन मैं आपको बता दूं कि मुझे आज भी अंग्रेजी साहित्य और इतिहास बहुत अच्छा लगता है क्योंकि ये मुझे मेरे अंधकार के वक्त में मुझे बाहर निकालते हैं। आरएसएस ने दूसरी और लोगों के पास बहुत धन और सुख–सुविधाएं होने पर भी वे संतुष्ट नहीं हैं। यहां पर संत कबीरदास की पंक्तियां वर्णनीय है जिसमें उन्होंने लिखा है– गौ धन, गज धान, बाजि धन और रत्न धन खान। जब आवै संतोष धन, सब धन धूरि समान। संत कबीरदास जी इस दोहे के द्वारा यह सन्देश दे रहे हैं कि सच्चा धन भौतिक संपदा नहीं हैं बल्कि मानसिक तृप्ति और संतोष है। वे कहते हैं कि इच्छाएं कभी खत्म नहीं होती। श्री रामचरितमानस के पंचम सोपान श्री सुंदरकांड में वर्णन मिलता हैं जब हनुमान जी मां सीता की खोज में समुद्र पार कर रहे थे तब सुरसा ने हनुमान जी का मार्ग रोक दिया और हनुमान जी को खाने के लिए आतुर हुई। हनुमान जी ने अपने शरीर का आकार बड़ा कर लिया। सुरसा ने अपने मुख का आकार और बढ़ा दिया। अंत में हनुमान जी ने अपना लघु रूप बना लिया और सुरसा के मुख में प्रवेश कर गए और बाहर निकल आए। इसी प्रकार माया रूपी संसार में तृष्णा का रूप सुरसा के समान हैं। मनुष्य अपनी तृष्णा को लघु करके इस माया रूपी भव सागर से पार जा सकता हैं अर्थात तृष्णा से मुक्ति के बिना संतोष नहीं मिल सकता। जो संतोष धारण कर लेता है, वही वास्तव में सुखी और धनवान है। यहां पर स्वास्थ्य ही धन है का वर्णन करना भी अत्यावश्यक हैं। यदि मनुष्य स्वस्थ होगा तो उसे संसार के सभी भौतिक सुख उसे अच्छे लगेंगे लेकिन यदि व्यक्ति अस्वस्थ होगा तो उसको प्रिय पकवान भी नहीं भाएंगे अर्थात अच्छे नहीं लगेंगे। दूसरी और यही बात मानसिक स्वास्थ्य पर भी लागू होती हैं क्योंकि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। सभी धर्म इसीलिए मनुष्य को स्वार्थ के स्थान पर परमार्थ का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं ताकि मनुष्य का मानसिक विकास हो और मानसिक स्वास्थ्य की वृद्धि हो। अंत में किसी पंजाबी कवि ने लिखा है– बन्दे दी आसां कदे हुन्दियां न पूरियां। तड़पदा बहुतेरा फिर भी रहन्दियां अधूरियां। इसका अभिप्राय यह है कि मनुष्य की एक इच्छा पूरी होती है तो दूसरी तैयार हो जाती है यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा, शिक्षक व स्नातक का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी कांग्रेस

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी शिक्षक और स्नातक का चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। यह सिंबल का चुनाव नहीं है। इसलिए इसमें कोई गठबंधन की बात नहीं है। पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वाराणसी से शिक्षक प्रत्याशी के रूप में संजय प्रियदर्शी और स्नातक प्रत्याशी अरविंद सिंह पटेल को प्रत्याशी बनाया गया है। इसी तरह लखनऊ से स्नातक पर देवमणि तिवारी, मेरठ से विक्रांत वशिष्ठ, आगरा से रघुराज पाल को प्रत्याशी बनाया गया है। अन्य प्रत्याशियों की घोषणा जल्द होगी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस पूरी 11 सीटों पर मैदान में उतरेगी। शिक्षकों, अधिवक्ताओं और युवाओं की समस्या का निदान कराएंगे। चुनाव के लिए को आर्डिनेटर बनाया गया है। हर जिले में फार्म भरवाया जा रहा है।

13 जिलों में निरीक्षक क्यों नहीं

उन्होंने कहा कि बच्चों को घटिया सिरप पिलाकर मौत के घाट उतारा जा रहा है। गोरखपुर सहित 13 जिलों में ड्रग इंस्पेक्टर नहीं है फिर निगरानी तंत्र का अंदाजा लगाया जा सकता है। यह खेल दवा माफियाओं को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया है।

भाजपा को फायदा पहुंचाना चाहती है बसपा

उन्होंने कहा कि 18 साल बाद बसपा ने कांशीराम को याद किया। भाजपा की गाड़ी से दलितों को रैली में पहुंचाया गया। यह दलितों को भ्रमित करने और बिहार चुनाव प्रभावित करने की साजिश है। जो कामयाब नहीं होगी। दलित अब राहुल गांधी के साथ हैं।

रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि के मुद्दे पर न तो मायावती बोल रही और न ही दूसरे दल। कांग्रेस उस परिवार के साथ है। हम लगातार उस परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रतिनिधिमंडल हरिओम के परिजनों को आर्थिक सहयोग देने जा रहा था जिसे पुलिस ने रोक दिया है।

ईओडब्ल्यू ने 5.75 करोड़ का गबन करने वाले को किया गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के लखीमपुर खीरी स्थित बाढ़ खंड शारदानगर में वर्ष 2011 में 5.75 करोड़ रुपये का गबन करने वाले वांछित आरोपी हर्ष अग्रवाल को यूपी पुलिस के आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन ने बुधवार को पटना से गिरफ्तार कर लिया। राजधानी के जानकीपुरम स्थित सहारा स्टेट निवासी हर्ष अग्रवाल दुधवा फूड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड फर्म का प्रोपराइटर है, जिसने बाढ़ निरोधक कार्यों में इस्तेमाल होने वाले डुप्लीकेट जियो टेक्सटाइल बैग की आपूर्ति की थी। ईओडब्ल्यू के अधिकारियों के मुताबिक खीरी में वर्ष 2011 में बाढ़ निरोधक कार्यों में प्रयोग होने जाने वाले जियो टेक्सटाइल बैग की आपूर्ति के बजाय अधोमानक एवं डुप्लीकेट बैग की आपूर्ति कर हर्ष अग्रवाल ने राज्य सरकार को 5.75 करोड़ रुपये की हानि पहुंचाई थी। उसके खिलाफ सदर कोतवाली में शासकीय धन का गबन करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

डुप्लीकेट जियो टेक्सटाइल बैग की आपूर्ति कर धन का गबन किया

इसकी जांच बाद में ईओडब्ल्यू को सौंप दी गई थी। जांच में सामने आया कि हर्ष अग्रवाल व अन्य दो ठेकेदारों ने 515500 डुप्लीकेट जियो टेक्सटाइल बैग की आपूर्ति कर धन का गबन किया। मामले में आरोपी हर्ष अग्रवाल फरार चल रहा था। उसे लखीमपुर खीरी में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

संक्षिप्त खबरें

दीपावली व अन्य पर्व को लेकर खाद्य प्रशासन चला रहा चेकिंग अभियान – मानिक चंद्र सिंह

अयोध्या।दीपावली के साथ–साथ अन्य पर्वों के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मिठाईयां व खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वाले प्रतिष्ठानों के मालिकों पर शिकंजा कसने में जुटा है।इसके लिए सहायक आयुक्त द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र द्वारा गठित टीमों द्वारा जिले के सभी तहसीलों में सघन अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।इस संबंध में सहायक आयुक्त द्वितीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मानिक चंद्र ने बताया अभी तक मिलावट करने वाले कई व्यवसाययों पर कार्यवाही की गई है।साथ ही साथ संदेह उत्पन्न होने वाली मिठाईयां पानेरो सहित अन्य पदार्थों को संबंधित प्रयोगशाला के लिए भेजा गया है। बताया कि यह अभियान खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी विवेक कुमार मौर्य, जयदीप मौर्य के द्वारा राधिका मिल्क एण्ड मिल्ड प्रोडक्ट, हरिपुर जलालाबाद से 01 नमूना छेना मिठाई, 01 नमूना सोनपापड़ी लिया गया एवं उप जिलाधिकारी सदर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी,अजय कुमार सोनी, नन्द किशोर यादव के द्वारा कालीचरण स्वीट्स हाउस से 01 नमूना संदेश मिठाई, 01 नमूना खोआ, यादव स्वीट्स हाउस से 01 नमूना कलाकन्द, 01 नमूना पनीर लिया गया एवं नगर मजिस्ट्रेट राजेश मिश्रा के निर्देशन में एवं डॉ0 पी0के0 त्रिपाठी, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल जिसमें खाद्य सुरक्षा अधिकारी,अनूप सिंह,सन्तोष कुमार साहू,सुमित चौधरी, शरद पाल के द्वारा द स्वीट फैक्ट्री से 01 नमूना मिश्रित दूध, 01 नमूना छेना स्वीट, 01 नमूना मिल्क केक का नमूना लिया गया निर्माणशाला पर स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता और हाइजीन के लिए निर्देशित किया गया सरयू नमकीन, निकट सत्य साईं आश्रम, जनौरा से 01 नमूना रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल, 02 नमूना नमकीन तथा 1 किग्रा0 के 10 पैकेट एक्सपायर्ड खाद्य मसाले बाजार मूल्य 4000ध–का विनष्ट कराई गयी का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु जनविश्लेषक प्रयोगशाला को भेजा गया है। जिनकी जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने बताया कि यह छपरा मेरी का अभियान लगातार आगे भी जारी रहेगा।

मृतकों की संख्या छह हुई, रेस्क्यू के दौरान हुए ब्लास्ट में लेखपाल हुआ घायल

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या की पंचायत भदरसा भरतकुंड के महाराणा प्रताप वार्ड के पगलाभारी गांव के एक घर में गुरुवार रात हुए भीषण धमाके में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई थी। वहीं, रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पुलिस टीम व अन्य कर्मचारी मौजूद थे। इसी दौरान हुए एक और धमाके में लेखपाल आकाश सिंह घायल हो गया। दोबारा हुए धमाके से हड़कंप मच गया। दूसरा धमाका 11 बजे के करीब हुआ। वहीं, शुक्रवार सुबह मलबे में एक और शव बरामद हुआ है जिसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या छह हो गई है। इसके पहले हुए धमाके से मलबे में दबकर पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। गांव के निवासी रामकुमार उर्फ पारसनाथ के घर में शाम करीब 7.30 बजे एक तेज धमाका हुआ। धमाके साथ पूरा घर फिल्मी स्टाइल में उड़ गया। घर की दीवारें ताश के पत्तों की तरह ढहीं। धमाके से पूरा इलाका हिल गया।

सरदार पटेल की जयंती पर जिलों में निकलेगा एकता मार्च

लखनऊ, संवाददाता। खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार 150 एकता मार्च निकाला जाएगा। इसके तहत 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिलों में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इसका उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिक की भावना जगाना है। वह अलीगंज स्थित पीआईबी के दफ्तर में पत्रकारों से बात कर रहे थे। मंत्री ने कहा कि एकता मार्च युवाओं को राष्ट्र निर्माण में शामिल करने का त्योहार साबित होगा। मार्च की सभी तैयारियां और व्यवस्था एनएसएस और माई इंडिया के स्वयंसेवक करेंगे। इसका पहला चरण छह अक्तूबर से शुरू हो गया है। इसमें सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन और 15–29 आयु के युवाओं के लिए यंग लीडर्स प्रोग्राम व क्विज गतिविधियां हो रही हैं। विजेताओं की घोषणा 26 नवंबर को होगी। अभियान के अगले चरण में 31 अक्तूबर से 25 नवंबर तक जिला स्तरीय पदयात्राएं होंगी। पदयात्रा हर संसदीय क्षेत्र में लगातार तीन दिनों तक चलेगी। इसमें मंत्री व सांसदों के नेतृत्व में पदयात्राएं निकाली जाएंगी। इससे पहले स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, सरदार पटेल के जीवन और दर्शन पर व्याख्यान, युवा परिचर्चा और नशामुक्त भारत के लिए सामूहिक संकल्प जैसे कार्यक्रम होंगे। राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर से मंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर की पदयात्रा 26 नवंबर (संविधान दिवस) से शुरू होकर 6 दिसंबर को खत्म होगी। यह पदयात्रा सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्मस्थली गुजरात के करमसद से शुरू होकर 152 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

औद्योगिक क्षेत्रों की जर्जर सड़कें – विकास पर सवाल

मुंबई ब्यूरो चीफ – धनन्जय विश्वकर्मा

महाराष्ट्र, भारत का एक प्रमुख औद्योगिक राज्य है, लेकिन यहां के औद्योगिक क्षेत्रों की सड़कों की खराब हालत एक बड़ी समस्या बनी हुई है। लाखों श्रमिक, जो राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, हर दिन इन टूटी हुई सड़कों से जूझते हैं। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण विरोधाभास है कि जहां एक ओर राज्य की अर्थव्यवस्था को गति देने वाले उद्योग स्थापित हैं, वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचा पूरी तरह से जर्जर है। महाराष्ट्र के हर औद्योगिक क्षेत्र में, चाहे वह पुणे, मुंबई, औरंगाबाद या नागपुर हो, श्रमिकों को हर महीने अपनी आय से प्रोफेशनल टैक्स के रूप में ध200 का भुगतान करना पड़ता है। यह कर सरकार द्वारा बुनियादी सुविधाओं के रखरखाव और सुधार के लिए एकत्र किया जाता है। हालांकि, इन निधियों का उपयोग श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए नहीं हो रहा है। सड़कों पर बड़े–बड़े गड्ढे हैं, जो न केवल वाहनों को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि श्रमिकों के लिए भी खतरनाक हैं। मानसून के दौरान स्थिति और भी बदतर हो जाती है, जब सड़कें तालाब में बदल जाती हैं और जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो जाती है। यह सिर्फ सड़कों का मुद्दा नहीं हैय यह श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता का भी सवाल है। जिन क्षेत्रों में ये श्रमिक रहते हैं, वहां पानी, बिजली, और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। टूटी हुई जल निकासी प्रणालियों के कारण गंदा पानी सड़कों पर जमा हो जाता है, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को साफ पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ता है।

इस स्थिति से श्रमिकों के बीच निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। वे महसूस करते हैं कि उनके योगदान को महत्व नहीं दिया जा रहा है और सरकार उनकी जरूरतों की अनदेखी कर रही है। कई श्रमिक संगठनों ने इस मुद्दे को बार–बार उठाया है, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्थानीय निकायों और राज्य सरकार को इस गंभीर मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। प्रोफेशनल टैक्स के रूप में एकत्र की गई राशि का उपयोग उन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के सुधार के लिए किया जाना चाहिए जहां ये श्रमिक रहते और काम करते हैं। अच्छी सड़कें, बेहतर जल निकासी, और स्वच्छ पानी की उपलब्धता न केवल श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाएगी, बल्कि औद्योगिक विकास को भी गति देगी। यह समय है कि सरकार श्रमिकों के योगदान का सम्मान करे और उन्हें वह सम्मान दे जिसके वे हकदार हैं।

संक्षिप्त खबरें

सीएसआईआर–सीडीआरआई के प्रमुख वैज्ञानिक, प्रोफेसर रविशंकर को मिली फेलोशिप

लखनऊ, संवाददाता। सीएस आईआर–केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर– सीडीआरआई) के प्रमुख वैज्ञानिक, प्रोफेसर रविशंकर को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएएसआई) का फेलो चुना गया है। राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी देश की सबसे पुरानी विज्ञान अकादमी है। इसकी स्थापना 1930 में प्रयागराज में हुई थी। संस्था की ओर से यह प्रतिष्ठित फेलोशिप प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान की जाती है। डॉ. रविशंकर को जैव रसायन और संरचनात्मक जीव विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए यह फेलोशिप दी जा रही है। इस उपलब्धि पर सीएसआईआर– सीडीआरआई की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने कहा ने उन्हें बधाई दी है।

भीषण धमाके में पांच की मौत हुई

लखनऊ, संवाददाता। अयोध्या जिले के भदरसा भरतकुंड नगर पंचायत के पगलाभारी गांव में रामकुमार गुप्ता के एक मकान में हुए धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनी गई। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मकान की एक–एक ईंट बिखर गई। देर रात तक मलबे की तलाश में पुलिस की टीम डॉग स्कवायड की मदद से जुटी रही। घटना के बाद पूरे गांव में अफरातफरी की स्थिति रही। ग्रामीणों की भीड़ मौके पर देर रात तक डटी रही। पूराकलंदर थाना क्षेत्र के पगलाभारी गांव में पिछले साल भी रामकुमार गुप्ता के घर पर विस्फोट हुआ था, जिसमें दो मंजिला मकान मलबे में तब्दील हो गया था। इस घटना में चक्की पर आटा लेने आई गांव की ही एक लड़की के साथ रामकुमार की मां और पत्नी की मौत हुई थी। गांव की महिलाओं ने अगले दिन विरोध प्रदर्शन किया था। गांव वाले बताते हैं कि इससे पहले भी तीन बार रामकुमार के घर पर विस्फोट हो चुका था। तब रामकुमार ने माना था कि वह पटाखे का कारोबार करता है। पगलाभारी गांव में 13 अप्रैल 2024 को भी इसी रामकुमार गुप्ता के घर में विस्फोट हुआ था। पड़ोस के मौर्या का पुरवा गांव निवासी रामकुमार कोरी की बेटी प्रियंका (19) आटा लेने पहुंची थी, जिसकी विस्फोट के बाद मकान के मलबे में दबने से मौत हो गई थी। मकान मालिक रामकुमार, उनकी मां शिवपता (65), पत्नी बिंदु (25), रामकुमार के बच्चे ईशा (9), लव (6) और यश (4) झुलस गए थे। अगले दिन रामकुमार की मां शिवपता की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। घटना के छठे दिन पत्नी बिंदु की मौत हो गई थी।

दरवाजे और खिड़कियां 100 मीटर की दूरी पर जा गिरीं

पिछले साल की घटना के बाद से रामकुमार मधुपुर मार्ग पर गांव के बाहर मकान बनाकर रह रहा था। ग्रामीणों का कहना है कि यदि राम कुमार गांव छोड़कर सड़क पर घर न बनाया होता और यह धमाका गांव में हुआ होता तो कई घर चपेट में आ जाते। धमाका इतना जोरदार था कि मकान के दरवाजे और खिड़कियां 50 से 100 मीटर की दूरी पर जा गिरे।

औषधि निरीक्षक लाइसेंस जारी करने में व्यस्त, जांच का नहीं वक्त

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के ज्यादातर औषधि निरीक्षक मेडिकल स्टोरों के लाइसेंस जारी करने तक ही सीमित हैं। उनके पास दवाओं की जांच के लिए वक्त ही नहीं है। यह जांच अभियान तभी शुरू होते हैं, जब किसी न किसी राज्य में कोई घटना हो जाती है। दबी जुबान से यह बात खुद औषधि निरीक्षक भी स्वीकार करते हैं। प्रदेश में करीब एक लाख थोक और ढाई लाख से अधिक फुटकर दवा दुकानें एवं ब्लड बैंक हैं। हर साल इनमें करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है। औषधि निरीक्षकों के स्वीकृत 109 पदों में से 32 खाली चल रहे हैं। जिन जिलों में दो औषधि निरीक्षक के पद हैं, वहां कहीं एक हैं तो कहीं एक भी नहीं। 13 जिलों में दो–दो जिलों का कार्यभार है। औषधि निरीक्षकों की मानें तो उनका ज्यादातर वक्त सिर्फ लाइसेंस संबंधी कार्य पूरे करने में ही जाता है, क्योंकि लाइसेंस की निरंतर समीक्षा होती है। 15 दिन में यह कार्य पूरा नहीं किया तो जवाब देना पड़ता है। लाइसेंस जारी करने से पहले स्थयील सत्यापन सहित अन्य प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में दवाओं की जांच तभी कर पाते हैं, जब लाइसेंस से जुड़े कार्य कम होते हैं। हर जिले में चार से पांच तहसीलें हैं। करीब 100 किमी के दायरे में मेडिकल स्टोर हैं। ऐसे में अकेले सभी दुकानों तक पहुंचना नामुमकिन है। इसका फायदा मिलावट करने वाले और नकली दवा बनाने वाली कंपनियां उठाती हैं। यही वजह है कि नकली दवाओं की खेप ज्यादातर ग्रामीण इलाके की दुकानों पर पहुंचाई जाती हैं। औषधि निरीक्षकों की मानें तो उन्हें न्यायालय में पैरवी के लिए कोई अतिरिक्त स्टाफ नहीं मिला है। कोई पैरोकार नहीं होने की वजह से उन्हें न्यायालय से जुड़े कार्य भी देखने होते हैं। अक्तूबर 2022 में हरियाणा के सोनीपत की कंपनी द्वारा बनाए जाने वाले कफ सिरप से अफ्रीकी देश गांबिया में कई बच्चों की मौत हो गई थी। उस वक्त इस कंपनी के चार बैच को प्रतिबंधित किया गया। पूरे प्रदेश में जांच अभियान चलाया गया। जब तक अभियान चला संबंधित कंपनी के सिरप प्रदेश में नहीं मिले। इसके बाद फिर से बिक्री शुरू हो गई। ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के तहत औषधि निरीक्षक दवा और कॉस्मेटिक के विनिर्माण, वितरण और विक्री की निगरानी करते हैं। उनके मुख्य कार्यों में विनिर्माण इकाइयों, प्रयोगशालाओं और फार्मेसियों का निरीक्षण करना, उत्पादों के नमूने लेना, लाइसेंस के अनुपालन की जांच करना, नकली या घटिया उत्पादों को रोकना और अधिनियम के उल्लंघन के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करना शामिल है।

पीडीए के जवाब में मुस्लिमों को साधने की मुहिम

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव में सपा के पीडीए से चोट खाने के बाद बसपा ने मुस्लिम वोट बैंक को अपने पाले में लाने की मुहिम तेज कर दी है। बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर बृहस्पतिवार को राजधानी में हुई रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिमों का विकास न होने व जानमाल का खतरा होने की बात कहकर उन्हें पार्टी से जोड़ने का प्रयास किया। साथ ही जातिवादी दलों पर संविधान को बदलकर पुरानी जातिवादी व्यवस्था लागू करने का आरोप लगाते हुए दलित समाज को आगाह किया। मायावती ने सीएम योगी आदित्यनाथ की सराहना कर नई सियासी बहस को जन्म दिया तो दलित महापुरुषों की उपेक्षा करने पर सपा को जमकर घेरा। पूरे संबोधन में उन्होंने भाजपा के किसी भी वरिष्ठ नेता पर सीधे हमला नहीं बोला। संविधान पर खतरे का सामना केवल बसपा द्वारा ही किए जाने की बात कहकर दलित वोटबैंक को संदेश दिया कि उनके अधिकार बसपा ही दिला सकती है। ये भी याद दिलाया कि जातिवादी पार्टियों से गठबंधन करने पर सवर्णों का वोट बसपा को नहीं मिलता है।

आकाश का देना है साथ

बसपा सुप्रीमो ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद को पहले बोलने का मौका देकर पार्टी के भविष्य की तस्वीर भी साफ कर दी। उन्होंने कहा कि आकाश अब पार्टी के मूवमेंट से पूरी तरह जुड़ चुके हैं। पूरी लगन और मेहनत से काम कर रहे हैं। जिस तरह आपने कांशीराम के बाद मेरा साथ दिया, उसी तरह आकाश का भी देना है।

15 साल का वनवास खत्म करने का आह्वान

बसपा ने वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में बहुमत की सरकार बनाकर अपना 15 साल का वनवास खत्म करने के लिए रैली के जरिये तगड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। करीब तीन लाख लोगों की क्षमता वाला कांशीराम स्मारक स्थल खचाखच भरा रहा तो बाहर भी इतनी ही भीड़ दिखाई दी।

आजम खां से मुलाकात की अटकल को अफवाह बताया

बसपा संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित रैली में मायावती ने सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां के बसपा में शामिल होने की अफवाहों पर भी विराम लगा दिया।

मायावती ने कहा कि मैं किसी से छिपकर नहीं, खुलेआम मिलती हूं। दूसरे दलों के नेता ऐसी अफवाहें फैला रहे हैं। ऐसा 2017 में भी हुआ था, लेकिन पार्टी के लोग गुमराह नहीं हुए थे। बसपा प्रमुख ने ईवीएम में धांधली का आरोप भी लगाया। कहा कि बसपा को रोकने के लिए विपक्षी दलों ने अपने वोट ट्रांसफर किए।

हीरा बनाने वाली मशीनें बाजार में, 90 प्रतिशत गिरे कृत्रिम हीरे के भाव, 150 साल में बनता है असली हीरा

लखनऊ, संवाददाता। लैब में तैयार होने वाले कृत्रिम हीरों से सराफा बाजार पटा पड़ा है। ये इतने वास्तविक हैं कि असली और नकली में भेद कर पाना बेहद मुश्किल है। आईआईटी द्वारा तैयार 5 हजार रियेक्टर सूरत सहित उत्तर प्रदेश के कई शहरों में दिनरात नकली हीरे बना रहे हैं। हाल ये हो गया कि महज चार साल में एक कैरेट कृत्रिम हीरे के दाम 4 लाख से गिरकर 25 हजार पर आ गए। वहीं असली हीरों का बाजार फिर दमक उठा है। जिसका नतीजा है आठ महीने में 15 फीसदी का मुनाफा असली हीरों ने दिया है। असली–नकली हीरों की पड़ताल करती रिपोर्ट......

एक तरफ सोना–चांदी रोजाना कीमतों के नए रिकार्ड गढ़ रहे हैं तो दूसरी तरफ हीरे की मंद होती चमक भी लौट रही है। पिछले साल हीरा बाजार के लिए बेहद उतार चढ़ाव भरे रहे। वर्ष 2018 में पहली बार लैब में तैयार किया गया हीरा दुनिया के सामने आया। वर्ष 2020 में एक कैरेट के कृत्रिम और एक कैरेट के असली हीरे के दाम 4 लाख रुपये थे। बीच में यही असली हीरा गिरकर 3 लाख से 3.25 लाख पर आ गया लेकिन 4 लाख वाला नकली हीरा 25 हजार रुपये में आ गिरा। अगले एक साल में ये 15 से 20 हजार रुपये में आने के आसार हैं। असली हीरे से बढ़ते प्रेम का नतीजा है कि कुल बाजार में 20 फीसदी हिस्सेदारी डायमंड ज्वैलरी की है।

क्यों बेहाल हो गया लैब वाला हीरा

करीब दो साल पहले वित्त मंत्रालय ने आईआईटी चेन्नई को लैब में हीरे तैयार वाले रियेक्टर का प्रोजेक्ट दिया था। फिर आईआईटी कानपुर, आईआईटी बाम्बे सहित अन्य आईआईटी में भी इसे बनाने की होड़ मची। उनकी तकनीक से पहले बेहद महंगा रियेक्टर अब दो करोड़ का बिक रहा है। 50 लाख निवेश कर शेष रकम लोन लेकर सूरत में हजारों मशीनें लगी हैं। यूपी, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में भी ये मशीने धड़ल्ले से लग रही हैं। अब डिमांड से ज्यादा सप्लाई हो गई। पिछले महीने हांगकांग में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े ज्वैलरी शो में सोने की ज्वैलरी के साथ लैब वाला नकली हीरा फ्री में देने की घोषणा ने इस बाजार की हालत और पस्त कर दी। अब तो हीरों की सर्टिफाई करने वाले अंतर्राष्ट्रीय रत्न संस्थान (जीआईए) ने फोर सी ग्रेडिंग को लैब ग्रोन डायमंड यानी कृत्रिम डायमंड को सर्टिफाई करना बंद कर दिया है। हीरों का प्रमाणीकरण न होने की वजह से इनकी कीमतों में इतनी गिरावट आई है।

असली हीरा कैसे बनता है

प्राकृतिक हीरा धरती के गर्भ में 150 किलोमीटर नीचे बेहद उच्च तापमान में 10 लाख साल में तैयार होता है। भूकंप व ज्वालामुखी फटने से मैग्मा के साथ ऊपर आता है। इसे दस किलोमीटर नीचे खदान से निकाला जाता है। इन कच्चे हीरों को बाहर निकालकर तराशा जाता है। कटिंग व पालिश के बाद ये अलग–अलग रूप में तैयार होते हैं।

नकली हीरा कैसे बनता है

ये हीरे लैब में तैयार होते हैं इसीलिए इन्हें शार्ट में एलजीडी भी कहा जाता है। ये दो तरीके से लैब में बनते हैं। पहला हाई प्रेशर हाई टेम्परेचर (एचपीएचटी) और दूसरा केमिकल वेपर डिस्पोजिशन (सीबीडी)। ये डायमंड का रियेक्टर होता है, जिसमें इसे तैयार किया जाता है। इन रिपेक्टरों से एक हीरा 7–15 दिन में ही बन जाता है। असली और नकली हीरे में पहचान कर पाना बेहद मुश्किल है। असली के नाम पर नकली हीरा कोई न थमा दे, इससे बचने के लिए सर्टिफिकेट जरूर लें, जिसमें नेचुरल डायमंड साफ लिखा हो।

नाटक के जरिये ग्रामीणों को उनके विधिक अधिकार बताए

लखनऊ, संवाददाता। एमिटी लॉ स्कूल व एमिटी विश्वविद्यालय लखनऊ कैंपस की ओर से उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (यूपीएसएलएसए) के सहयोग से 24 वां विधिक सहायता शिविर बृहस्पतिवार को सरोजनी नगर के कुरौनी स्थित दुदइया खेड़ा में लगाया गया। इस दौरान छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

इसमें ग्रामीणों को मुफ्त विधिक परामर्श भी दिया गया। प्रो. तपन चंदोला के मार्गदर्शन व डॉ. राजीव कुमार सिंह, डॉ. अक्षिता श्रीवास्तव और डॉ. ज्योत्सना सिंह के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में छात्र अंविता, देव और समर्थ का विशेष योगदान रहा।

लाइफ केयर फाउंडेशन ने उरुवा में अति पिछड़े बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर दिखाई गंभीरता

ब्यूरो चीफ आशुतोष चौधरी

गोरखपुर। उरुवा के ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण और स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे अति पिछड़े वर्ग के बच्चों की स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से लाइफ केयर फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उरुवा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ जेपी तिवारी से मुलाकात की। फाउंडेशन की टीम ने क्षेत्र में कुपोषित और बीमार बच्चों की पहचान कर उनके स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर आयोजित करने की मांग की। बैठक के दौरान फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि उरुवा ब्लॉक के कई गांवों में अभी भी कई बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं और उन्हें नियमित चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल पा रहीं। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग की मदद से गांव–गांव जाकर बच्चों की स्वास्थ्य जांच, पोषण स्तर की जानकारी और इलाज की व्यवस्था की जानी जरूरी है। प्रभारी चिकित्साधिकारी ने फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि

जल्द ही स्वास्थ्य विभाग की टीम को फाउंडेशन के साथ मिलकर शिविर आयोजित करने का समय दिया जाएगा। इस अवसर पर बच्चों के अभिभावकों को भी स्वच्छता, संतुलित आहार और नियमित जांच के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। इस अवसर पर फाउंडेशन के सुनील गहलोत, आशुतोष चौधरी, स्वास्थ्य विभाग के अखिलेश पाठक, दीपक, विजय चौरसिया आदि मौजूद रहे।

कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का अत्यंत पवित्र एवं भावनात्मक क्षण होता है- प्रो.रुचिरा सेठी

देश की उपासना,

धनन्जय विश्वकर्मा उत्तर प्रदेशः जौनपुररू उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के दिशा निर्देश में विभागाध्यक्ष एनाटॉमी, प्रो० भारती यादव ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को एम0बी0बी0एस0 बैच 2025–26 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को कैडवर शपथ दिलाई। डीन रिसर्च, प्रो० रूचिरा सेठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का अत्यंत पवित्र एवं भावनात्मक क्षण होता है। यह न केवल विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की आधारशिला मानव शरीर रचना के अध्ययन की ओर अग्रसर करता है, बल्कि उन्हें मानवता, करूणा और नैतिकता के मूल्यों से भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक जीवित गुरू हमें ज्ञान का मार्ग दिखाता है, उसी प्रकार कैडावर अर्थात् शरीर दान करने वाला व्यक्ति चिकित्सा

विद्यार्थियों का ष्प्रथम गुरुष होता है। हमें उनके प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता का भाव सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकानाएं देते हुए कहा कि यह शपथ केवल अध्ययन की शुरूआत नहीं, बल्कि एक आजीवन दायित्व की याद दिलाती है–मानवता की सेवा । विभागाध्यक्ष, प्रो० भारती यादव ने कहा कि कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है। यह न केवल विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की प्रारंभिक जानकारी देती है, बल्कि उन्हें अनुशासन, संवेदना और मानवता का भी पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों ने शरीर दान किया है वे वास्तव में चिकित्सा शिक्षा के सच्चे प्रेरणास्त्रोत हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इन कैडावर्स के प्रति गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव रखें तथा अध्ययन के प्रत्येक चरण में अनुशासन और मर्यादा का पालन करें। विभागाध्यक्ष ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने व्यावसायिक जीवन में न केवल एक कुशल चिकित्सक बनें बल्कि एक संवेदनशील और नैतिक डॉक्टर के रूप में समाज की सेवा करें।

संक्षिप्त खबरें

साइबर थाने का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं है, बल्कि लोगों को जागरूक करना है – पुलिस अधीक्षक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ,11 अक्टूबर। साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के उद्देश्य से शनिवार को आधुनिक उपकरणों से लैस साइबर थाने का विधिवत शुभारंभ किया गया। राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने विधि–विधान से पूजा–अर्चना के बाद थाने का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर सीओ गोल्डी गुप्ता, सीओ साइबर शुभम वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन सहित पुलिस विभाग और प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे। जौनपुर साइबर थाना नवीनतम तकनीकी संसाधनों और प्रशिक्षित पुलिस कर्मियों से सुसज्जित है। यहां पीड़ित अपनी शिकायतें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दर्ज करा सकेंगे। थाने में तैनात तकनीकी सेल के विशेषज्ञ और पुलिस पदाधिकारी साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों का वैज्ञानिक और डिजिटल तरीके से अनुसंधान करेंगे।

शिकायत दर्ज होते ही प्रशिक्षित टीम साइबर अपराधियों तक पहुंचने के लिए डिजिटल ट्रैकिंग, डेटा एनालिसिस और अन्य अत्याधुनिक तकनीकों का प्रयोग करेगी। इससे अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में तेजी आएगी, साथ ही पीड़ितों को समय पर न्याय भी मिल सकेगा। साइबर थाना अपराध की रोकथाम के लिए जिले भर में लगातार जागरूकता अभियान भी चलाएगा। लोगों को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, बैंक फ्रॉड और सोशल मीडिया पर धोखाधड़ी जैसी गतिविधियों से बचने के तरीके बताए जाएंगे। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि इस साइबर थाने का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं है, बल्कि लोगों को इतना जागरूक करना है कि वे ठगी के जाल में फंसें ही नहीं।

साकेत महाविद्यालय मे हुआ शक्ति स्वरूपा विश्व हिंदू परिषद कार्यक्रम का आयोजन

अयोध्या। शनिवार को साकेत महाविद्यालय मे शक्ति स्वरूपा विश्व हिंदू परिषद अयोध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य महिला आयोग सदस्य अपर्णा यादव ,डॉक्टर मंजूषा पांडे के अलावा महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला मौजूद रही। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आई महिला आयोग की सदस्य शहर पड़ा यादव ने कहा कि महिलाएं आज समाज के हर क्षेत्र में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। राजनीतिक क्षेत्र हो शिक्षा का क्षेत्र हो विज्ञान का क्षेत्र हो खेल का क्षेत्र हो का क्षेत्र हो हर क्षेत्र में महिलाएं अपने महत्वपूर्ण

भूमिका निभा रही हैं। वहां पर मौजूद महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है जिसमें मिशन शक्ति पेज 5 भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इस समय शासन द्वारा एक से बढ़कर एक कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चलाई जा रही है जिसका लाभ महिलाओं व बालिकाओं को मिल रहा है।कहा कि शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने महिला अपराध संबंधित अपराध के बारे में अवगत कराया गया।उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।

कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अयोध्या। कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस से पूर्व ब्लॉकध्तहसील स्तरीय दिव्यांग बच्चों की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीएसए लाल चंद्र व नगर शिक्षा अधिकारी तारकेश्वर नाथ पांडे रहे। प्रतियोगिता में कुल 49 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। दिव्यांग बच्चों हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओ में निबंध प्रतियोगिता,कुर्सी दौड़,छूकर पहचानो,चित्रकला,एवं गणित दौड़ का आयोजन किया गया।चित्रकला प्रतियोगिता में पूरा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय दर्शननगर द्वितीय की अस्थिबाधित बच्ची लक्ष्मी पॉल ने प्रथम एवं कंपोजिट विद्यालय हैदरगंज डायट नगर क्षेत्र की छात्रा जुनैरा बानो ने द्वितीय एवं मसौधा ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय उसरू के फरहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कुर्सी दौड़ में कंपोजिट विद्यालय उसरू के फरहान खान ने प्रथम,नागा बाबा से नैतिक पाल ने द्वितीय एवं कंपोजिट विद्यालय बैसिंह भदोखर से सिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।पूर्ण दृष्टिबाधित बच्चे हेतु छूकर पहचानो प्रतियोगिता में बेसिंह भदोखर मसौधा की सिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया प्राथमिक विद्यालय हैदरगंज द्वितीय की नौशीन फातिमा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया,तृतीय स्थान पर कंपोजिट विद्यालय डायट परिसर की हिबा को मिला। चित्रकला प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय नागा बाबा मसौधा से नैतिक यादव ने प्रथम, कंपोजिट विद्यालय पुलिस लाइन नगर क्षेत्र से कृष्णा श्रीवास्तव ने द्वितीय और कंपोजिट विद्यालय बैसिंह भदोखर मसौधा से अभिनव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया गणित और प्रतियोगिता में कंपोजिट विद्यालय दर्शन नगर द्वितीय पूरा ब्लॉक की लक्ष्मी पाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना (च्डक्क्ज्ञल) का उद्घाटन और राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत मैत्री प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित शनिवार को किया गया। यह कार्यक्रम पूसा, नई दिल्ली से प्रधानमंत्री द्वारा देश के 100 आकांक्षी कृषि जनपदों के लिए शुरू की गई योजनाओं का हिस्सा था।कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा च्डक्क्ज्ञल के उद्घाटन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह और डॉ. अजय सिंह, तथा जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री के उद्बोधन को सुना।राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद लखनऊ द्वारा चयनित 11 उत्कृष्ट पशु मैत्री को राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने प्रमाण पत्र वितरित किए।इस अवसर पर राज्यमंत्री यादव ने कहा कि यह योजना कृषि क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के साथ–साथ गोवंश के संरक्षण और दुग्ध उत्पादन में वृद्धि करेगा।कार्यक्रम में डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, परियोजना निदेशक के.के. पांडे, प्रभारी मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. निशा वर्मा, पशुचिकित्साधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह सहित पशुपालन और मत्स्य विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, पशु मैत्री और किसान मौजूद रहे।

इंटर कॉलेज नेवढ़िया में संपन्न हुआ तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण

देश की उपासना

धनन्जय विश्वकर्मा। उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड जनपद जौनपुर के तत्वाधान में जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला मुख्ययुक्त जी के दिशानिर्देशन में आयोजित तीन दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण का हुआ समापन इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अक्षवर तिवारी प्रधानाचार्य इंटर कॉलेज नेवढ़िया उप प्रधानाचार्य ,स्काउट गाइड प्रभारी तथा विद्यालय के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे प्रशिक्षण शिविर में स्काउट गाइड प्रभागियों ने अपने साहस और अनुशासन का परिचय दिया प्रधानाचार्य जी ने स्काउट गाइड के महत्व को बताते हुए कहां की स्काउट गाइड एक ऐसी शैली है जिसमें बालक बालिका का सर्वांगीण विकास होता है जो राष्ट्र के तथा समाज के हित में उपयोगी साबित होता है समाज में सुयोग्य और आत्मनिर्भर व्यक्ति का विकास करने में स्काउट गाइड पूरी तरह से सार्थक होता है स्काउट गाइड का परम उद्देश्य अनुशासित रहकर निस्वार्थ सेवा करना है तथा समाज में भलाई का कार्य करना प्रशिक्षक के रूप में रोहित कुमार विश्वकर्मा ट्रेनिंग काउंसलर मडियाहू, निसार अहमद प्रशिक्षक ने प्रतिभागियों को स्काउट

गाइड की उपयोगिता इतिहास, नियम प्रतिज्ञा, प्राथमिक चिकित्सा, गांठ फॉंस बंधन, टोली विभाजन,ध्वज शिष्टाचार,सामूहिक व्यायाम इत्यादि विषयों की जानकारी दि प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह के साथ शिविर में प्रतिभाग किया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये, शिविर का संचालन श्री राकेश कुमार मिश्रा जिला संगठन आयुक्त ने किया

संक्षिप्त खबरें

राजेंद्र सिंह इंटर कॉलेज व एस.के. एस इंग्लिश मीडियम स्कूल न्योरादेव में मनाया गया छात्र दिवस

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) शनिवार को राजेंद्र सिंह इंटर कॉलेज व एस.के.एस इंग्लिश मीडियम स्कूल न्योरादेव में एक अलग पहल देखने को मिली, जहाँ विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा पूरे विद्यालय का संचालन किया गया स प्रातः प्रार्थना सभा से लेकर अवकाश में वंदे मातरम तक बच्चों द्वारा ही सारी गतिविधियों को अंजाम दिया गया स बच्चों द्वारा कक्षाएं संचालित की गई व अन्य बच्चों को पढ़ाया गया इस समय पर शिक्षकों ने कक्षाओं में ही रहकर बच्चों का मूल्यांकन किया स इस प्रकार की पहल से बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार व उत्साह देखने को मिला स विद्यालय के प्रधानाचार्य हर्षवर्धन सिंह का दायित्व निर्भय यादव (मुख्य छात्र) कक्षा 12 द्वारा निभाया गया ᳵ विद्यालय के उपप्रधानाचार्य यशवर्धन सिंह का दायित्व अनन्या वाजपेई कक्षा 12 के द्वारा निभाया गया ᳵ विद्यालय के अन्य दायित्व भी इसी प्रकार विद्यालय के विभिन्न छात्रों द्वारा निभाए गए जैसे की शिक्षिका व वाहन व्यवस्थापक श्रीमती पल्लवी सिंह जी का दायित्व कक्षा 12 की काजल , श्री विपिन वाजपेई जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 11 के नेम सिंह , श्री राजेंद्र श्रीवास्तव जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 12 के शिवम, श्री सचिन सिंह जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 11 के रितेश, श्री यश श्रीवास्तव जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 11 के गुलशन, श्री राम लखन जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 11 की कीर्ति ,श्री विनय कुमार जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 9 की नीतू , श्री संजीव सिंह जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 10 के शौर्य , श्री मुनेश्वर प्रसाद जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 9 की कुलसुम, श्री कृष्णा जी (शिक्षक) का दायित्व कक्षा 10 की रानू, काजल जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 11 की ज्योत्सना, कुंती जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 11 की निधि,अर्पिता जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 10 की अंशिका, अनामिका जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 12 की प्रसून, प्रिया जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 9 की दीक्षा, गौरी जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 9 की तन्वी, प्रियंका जी (शिक्षिका) का दायित्व कक्षा 12 की मांडवी, जूली यादव जी (शिक्षिका)का दायित्व कक्षा 12 की मनु, श्रीमती मृदुला सिंह जी (लिपिक) का दायित्व कक्षा 12 की रेषु,श्री रजनीश यादव जी (लिपिक) का दायित्व कक्षा 10 के आदित्य ,श्री इंद्रमोहन जी (लिपिक) का दायित्व कक्षा 10 के दीपक द्वारा निभाया गया स प्रार्थना सभा में आए हुए लगभग पचास(50) अभिभावकों के साथ विद्यालय के एकदिवसीय प्रधानाचार्य निर्भय यादव ने बैठक की व उनसे उनके बच्चों का हाल–चाल जाना स सभी अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन को धन्यवाद ज्ञापित किया स पूरे दिन के संचालन के पश्चात विद्यालय के एकदिवसीय प्रधानाचार्य निर्भय यादव ने अन्य सभी एकदिवसीय अध्यापक–अध्यापिकाओं की बैठक ली,जिसमें आज की गतिविधियों पर चर्चा की गई व प्रधानाचार्य निर्भय यादव द्वारा कर्मचारियों को भी साफ–सफाई को लेकर निर्देश दिए गए तथा विद्यालय के पुस्तकालय में उपस्थित अनेक पुस्तकों का अध्ययन करने के लिए कहा गया।

समाज में बुजुर्गो की सेवा श्रवण बनकर करें क्योंकि उससे ज्ञान प्राप्त होता है - अरविंद कुमार ए डी एम

हरदोईध्शाहजहांपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अपने माता पिता की सेवा तो हर कोई कर लेता है लेकिन गांव के सभी बुजुर्गों को अच्छा बिस्तर मिले, पंखे की हवा मिले, पोषक स्वल्पाहार मिले, बीमार हों तो इलाज मिले। इन सबकी चिंता करने वाली संस्था विनोबा सेवा आश्रम देखी।जिसने अपने जय प्रभा कुटीर में सम्पूर्ण दिन बुजुर्ग इन सेवाओं का लाभ ले सकें। ऐसा केंद्र बनाकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया। उक्त विचार ब्लॉक भावलखेड़ा के ग्राम छीतेपुर में राज्यपाल की पांच सेवाओं की पूर्ति में वृद्ध जन देखभाल केंद्र का शुभारंभ करते हुए अरविंद कुमार अपर जिला मजिस्ट्रेट ने व्यक्त किए उन्होंने कहा कि आज बच्चों वृद्धों विकलांगों विधवाओं और बीमारों को मदद की वास्तविक जरूरत हैं। इन पांचों की मदद के अनेक आयाम इस परिसर में चलते एक साथ देखने का अवसर मिला। यह सेवाधाम जयप्रकाश नारायण जैसे महापुरुष के नाम पर है जिन्होंने सम्पूर्ण क्रांति का बिगुल बजाया। यह क्रांति सात प्रकार की बताई गई। निश्चित रूप से समाज में अभी उस आजादी की जरूरत है। गांधी विनोबा जयप्रकाश ने समाज सेवा की जो राह बनाई । उसी पर चलकर रमेश भइया ने आज से 12 वर्ष पहले इस दूरस्थ गांव में एक मसाल जलाई। प्रसन्नता की बात है कि हमारी राज्यपाल आ चुकी हैं। यहां के बुजुर्ग इस केंद्र की खूब सेवा का लाभ लें। आज अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर यहां पूर्व माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ पर सुंदर नाटक प्रस्तुत कर समाज को एक प्रेरणा का संदेश दिया। मुख्य अतिथि अरविंद कुमार ने कहा कि अपने पैतृक गांव की सेवा कम लोग ही कर पाते हैं लेकिन इस गांव को अंगीकार कर सभी आयामों पर जे पी सेवा ट्रस्ट काम कर रहा हैं।यह बधाई के योग्य है यहां के बच्चे कंप्यूटर सीखें सभी लड़कियां सिलाई सीखें बच्चे व्यायाम और योगा करें ।यह सब व्यवस्था यहां पर की गई है। हमारी सरकार मिशन शक्ति 5 के माध्यम से महिलाओं विशेषकर बालिकाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। श्री अरविंद कुमार ने कहा कि ज्ञानं वृद्धोपसेवयाऋवृद्धों की सेवा से ज्ञान प्राप्त होता है।वृद्धों के पास अनुभव होता है और जो सेवापरायण होते हैं, उनके सामने वृद्धों का दिल खुल जाता है और वे अपना सारसर्वस्व दे देते हैं। इसलिए समाज के लोगों को सेवापरायण होना चाहिए। वृद्धों की,माता पिता की, दीनऋ दुखियों की समाज की सेवा करनी चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री मिजाजी लाल वरिष्ठ जेल अधीक्षक ने कहा कि यहां पर आने से सकून मिलता है।क्योंकि यहां पर जिस सेवा भाव से काम हो रहा है। उसे देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की सेवा के लिए यहां द्वार खुले हैं। यह स्थान सेवा सीखने का केंद्र जैसा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री बृजगोपाल शर्मा जी ने कहा कि मैं यहां के भूमिपूजन में 12 वर्ष पहले आया था तब हमने कहा था कि यहां की मिट्टी में कुछ खास प्रगति का आभास हो रहा है आज वह सब सत्य देखकर प्रसन्नता हो रही है। विषय प्रवेश कराते हुए संस्थापक रमेश भइया ने कहा कि वर्ष 2011 में यहां की जो शुरुआत की वह निरंतर बढ़ती ही जा रही है। यहां पर जो आता है वह अपनी दुआएं दे जाता है। राज्यपाल ल का विशेष आशीर्वाद इस केंद्र की ताकत है।

किसी को नहीं मिला है पटाखा बनाने व बेचने का स्थाई लाइसेंस

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। गुरुवार की शाम थाना पूरा कलंदर क्षेत्र मे पटाखों विस्फोट मैं तीन बच्चों सहित इच्छा लोगों की मौत हो गई। देखा जाए तो इससे पहले भी पहले भी जिले

के कई थाना क्षेत्र में पटाखा विस्फोट से कई लोगों की जान जा चुकी है परंतु इस पर संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने यह कहकर मामला स्त्री कर लिया कि यह विस्फोट या तो सिलेंडर से था या फिर कूकर से।जबकि देखा जाए तो जिले में आसपास जिले में एकमात्र पटाखा विक्रेता धर्मेंद्र अग्रवाल के पास स्थाई लाइसेंस था।जो वर्ष 1990 में जिला प्रशासन द्वारा हमेशा के लिए निरस्त कर दिया गया था।वही उनके पुत्र पार्थ अग्रवाल को मानक के हिसाब से वह भी पटाखा बेचने के लिए ही लाइसेंस प्रशासन द्वारा दिया गया है।जिनका गोदाम जिले के रायबरेली स्थित शहर से काफी दूर नउवा कुआ पर है।लेकिन इसके बावजूद कोतवाली नगर क्षेत्र के साथ–साथ जिले के अन्य थाना क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से आए दिन अवैध रूप से पटाखा बनाते समय विस्फोट की घटनाएं सामने आई हैं।जिसमें कई लोग की मृत्यु हो गई।आखिर इसके लिए दोषी कौन है इस संबंध में जब शनिवार को संबंधित विभाग के आलाधिकारियों से जानकारी ली गई तो वह सभी एक दूसरे पर पल्ला झाड़ने हुए नजर आए।देखा जाए तो इसके लिए अग्निशमन विभाग पुलिस विभाग संबंधित क्षेत्र के सिटी मजिस्ट्रेट,उप जिला अधिकारी का यह दायित्व बनता है कि वह अपने–अपने क्षेत्र में बीच–बीच में निरीक्षण करें लेकिन उनका निरीक्षण दीपावली से महज कुछ ही दिन पहले शुरू होता है और जिसका खामियाजा अवैध रूप से पटाखा बनाने वाले परिजनों को भुगतना पड़ता है। सूत्र के मुताबिक माने तो आज से कई वर्ष पूर्व कोतवाली नगर क्षेत्र के रीडगंज में जहां एक महिला की पटाखा बनाते समय हुई विस्फोट में मृत्यु हो गई थी वहीं बेनीगंज में तीन लोगों की मौत हो गई थी।वहीं थाना रौनाही क्षेत्र के ड्योढी बाजार में अवैध रूप से पटाखा बनाते समय दो लोगों की तथा बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के शेरपुर पारा में एक बच्ची समेत दो लोगों की आशा माइक मौत विस्फोट के चलते हो गई थी।यह सिलसिला यही तक नहीं रुक बल्कि थाना इनायतनगर क्षेत्र मे एक व्यक्ति की मौत हो गई।इसी तरह महाराजगंज में भी इस तरह के कई हादसे हुए। इधर देखा जाए रामकुमार गुप्ता के यहां यह पहला हादसा नहीं था बल्कि तीसरा हादसा था जिसमें पहले हादसे में उसकी पत्नी समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी।वहीं रामकुमार गुप्ता के यहां गुरुवार की देर शाम जहां पूरा परिवार इस हादसे में मृत्यु हो गई वहीं उसके यहां बच्चों का पालन पोषण करने आई उसकी साली वंदना भी इस हादसे का शिकार हो गयी। जिसका शव शुक्रवार की सुबह मलबे में मिला।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।